सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रतिस्थापन
पर
राष्ट्रव्यापी अभियान

कोलकाता, 09 सितंबर, 2022: संस्थान की अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) योजना के तहत आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता ने "एकल के प्रतिस्थापन के लिए प्राकृतिक फाइबर की क्षमता पर राष्ट्रव्यापी अभियान" पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। 09 सितंबर, 2022 को पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के मोहती गांव में एग्रा निबेदिता सोशल वेलफेयर सोसाइटी (ईएनएसडब्ल्यूएस), पूर्वी मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के सहयोग से प्लास्टिक का उपयोग करें। इस जागरूकता कार्यक्रम में अनुसूचित जाति समुदाय के एक सौ बारह (112) किसानों ने भाग लिया।

डॉ. माणिक भौमिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-एनआईएनएफईटी ने सभा को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग की बुराइयों और जूट जैसे प्राकृतिक रेशों के गुणों के बारे में बताया। उन्होंने एकल उपयोग प्लास्टिक के स्थान पर आईसीएआर-एनआईएनएफईटी द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों का भी प्रदर्शन किया और एससीएसपी योजना के तहत आईसीएआर-एनआईएनएफईटी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक किया। इस अवसर पर संस्थान में अनुसंधान एवं विकास कार्य के माध्यम से विकसित जूट बैग और प्रतिभागियों के बीच डिस्पोजेबल कैरी बैग, गैर-बुना कैरी बैग, बायो-डिग्रेडेबल पेपर बैग पर पत्रक वितरित किए गए।

Nationwide campaign
on
replacement of single use plastic

Kolkata, September 09, 2022: ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata under the Scheduled Caste Sub-Plan (SCSP) scheme of the institute organised an awareness programme on "*Nationwide campaign on potential of natural fibre for replacement of single use plastic* "on 09th September, 2022 at Village Mohati, East-Midnapur district of West Bengal in collaboration with Egra Nibedita Social Welfare Society (ENSWS), East Midnapore, West Bengal. One hundred & twelve (112) farmers from the schedule caste community have participated in this awareness programme.

Dr. Manik Bhowmick, Senior Scientist, ICAR-NINFET explained the evils of using single-use plastic and the virtues of natural fibres like jute to the gathering. He also showcased the different products developed by ICAR-NINFET as a replacement of single use plastic and made aware the participants about different training programmes conducted by ICAR-NINFET under SCSP scheme. On this occasion jute bags developed through R&D work in the institute and leaflets on disposable carry bags, non-woven carry bags, bio-degradable paper bags were distributed among the participants.

एम. भौमिक किसानों के साथ बातचीत/ M. Bhowmick interacting with farmers

किसानों के साथ बातचीत करते दिलीप पांडा/ Dilip Panda interacting with farmers